प्रस्थापन

डॉ. शिवमंगल सिंह सुमन का प्रगतिवादी काव्य

यह लघुशोध प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो एम.फिल. (हिंदी) के लघुप्रबंध के रुपमें प्रस्तुत की जा रही हैं। यह रचना इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापुर या अन्य किसी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई हैं।

दिनांक :

सातारा.

शोधछात्रा

Sou. P. P. Joshi

[सौ. प्रज्ञा प्रकाश जोशी]

प्रा.डॉ. राजेंद्र शहा
एम.ए.एम.फिल, पी.एच.डी
प्राध्यापक हिंदी विभाग
भुवोजी महाविद्यालय
फलटण, जि.सातारा (महाराष्ट्र)

*** प्रमाणपत्र ***

मैं प्रा.डॉ. राजेंद्र मोतीचंद शहा, प्राध्यापक हिंदी विभाग, भुवोजी महाविद्यालय फलटण, यह प्रमाणित करता हूँ कि, **सौ. जोशी प्रज्ञा प्रकाश** ने शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापुर की एम.फिल् (हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध **'डॉ. शिवमंगल सिंह सुमन का प्रगतिवादी काव्य'** मेरे निर्देशनमें बड़े परिश्रम के साथ सफलतापूर्वक पूरा किया है। यह परीक्षार्थी की मौलिक कृति है।

मैं संस्तुति करता हूँकि उसक परिक्षा हेतू अग्रेषित किया जाए।

निर्देशक

Shaha

(प्रा.डॉ.राजेंद्र मोतीचंद शहा)